डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 180 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 16 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

लाड़ली बहना की 23वी किश्त आज आएगी

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। लाड़ली बहना योजना की 23वीं किश्त का प्रदेश की बहनो को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। आमतौर पर योजना की राशि महीने की 10 तारीख को लाड़ली बहनो के खाते में ट्रांसफर की जाती है। लेकिन इस बार 10 तारीख की जगह 1250 रुपए की किश्त बुधवार को खातों में आएगी। बता दें कि लाड़ली बहना योजना के साथ ही दो अन्य योजनाओं के पैसे भी खाते में ट्रांसफर किए जाएंगे। लाड़ली बहना को प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रुपए की किश्त 16 अप्रैल को खातों में आएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव मंडला के टिकरवारा से राशि सिंगल क्लिक से जारी करेंगे। हर माह राशि 10 तारीख को आती है। इस बार विलंब को कांग्रेस ने मुद्दा बनाया। अब तक योजना में 33 हजार करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। सीएम सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 56 लाख लोगों को 337 करोड़ व 25 लाख बहनों को गैस सिलेंडर के 57 करोड़ भी देंगे।

मंदसौर बना तस्करों का बायपास

राजस्थान बार्डर के रास्ते तस्करी का खेल

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। एक दिन पहले शहर कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई कर 14 क्विंटल से ज्यादा डोडाचूरा जब्त किया। इस मामले में हिमाचल प्रदेश के दो आरोपियों को पकड़ा गया। इसी दिन दलौदा पुलिस ने 10 किलो डोडाचूरा के साथ जोधपुर राजस्थान के आरोपी को गिरफ्तार किया। इसके पहले भी कई बड़ी कार्रवाई पुलिस कर चुकी है। राजस्थान सीमा से सटा मंदसौर जिला तस्करों और तस्करी के लिए बायपास की भूमिका निभाने लगा है। अधिकांश कार्रवाई में राजस्थान के तस्कर भी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। कुल मिलाकर जिले से राजस्थान कई क्षेत्रों से सीधा जुड़ा हुआ है। ऐसे में राजस्थान के प्रतापगढ़ और झालावाड़ जिले के तस्करों ने मंदसौर जिले के तस्करों से गठजोड़ कर मादक पदार्थ को लेकर विशेषकर राजस्थान सीमा से टच होता मंदसौर-गरोठ क्षेत्र को केंद्र बिंदू बना लिया है। तस्करी के बायपास बनने की कहानी पुलिस के आंकड़े भी बयां कर रहे हैं। बीते छह माह की कार्रवाई इस बात की गवाही दे रही है।

कार्रवाई बयां कर रही तस्करी के बढ़ते खेल को...

पुलिस ने जिले में सितंबर 2023 से लेकर मार्च 2024 तक 405 ग्राम एमडी पकड़ी। इसकेअलावा 48 किलो 806 ग्राम अफीम, 4 हजार 893.57 किलो ग्राम डोडाचूरा और 1 किलो 46 ग्राम स्मेकपकड़ी है। कुल 92 कार्रवाईयों में 135 तस्कर शामिल थे। जो इन मामलों में आरोपी है। वही सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक पुलिस ने 83 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए है। इसमें 246 तस्कर आरोपी है। जो अब तक सबसे ज्यादा है। कार्रवाईयों में 3 किलो 786 एमडी ड्रग, 7498.781 किलो डोडाचूरा और 17.422 किलोग्राम अफीम पकड़ी। इसके अलावा पहली बार एसिटिक एन हाईड्रेट 74.98 किलो ग्राम पकड़ा है।

एमडी की फैक्टरी तक मंदसौर जिले में मिली

तस्करी के खेल राजस्थान से टच होते गरोठ और मंदसौर में ज्यादा हो रहे हैं। हाल ही में भोपाल ड्रग्स कांड का संबंध जहां प्रतापगढ़ जिले से रहा तो मंदसौर जिले के तस्कर भी इसमें प्रमुख भूमिका में सामने आए। गरोठ थाना क्षेत्र में करीब 90 से अधिक गांव है। ऐसे में पूरे थाना क्षेत्र में पुलिस की उपलब्धता आसानी से संभव नहीं है। यहां पर कई दुर्गम स्थान है। जहां

पर एमडी बनाई जा सकती है। इसके इनपुट भी एजेंसियों के पास है। इसके अलावा यहां पर दिल्ली-मुंबई जाने के लिए एक्सप्रेस वे, रेलवे की बड़ी लाइन, फोरलेन आवागमन के लिए बेहतर साधन है। कई बड़ी कार्रवाईयां हुई है। इनमें प्रतापगढ़ जिले के तस्करों का सीधा कनेक्शन सामने आया है। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में देवल्जी, अरनोद सहित अन्य गांवों के तस्करों का झालावाड़ जिले इकलेरा सहित अन्य क्षेत्रों के तस्करों से सीधा कनेक्शन है। ऐसे इनपुट संबंधित एजेंसियों के पास भी है। ऐसे में राजस्थान से सटा हुआ और ऐसा क्षेत्र जहां पर पुलिस को जाने में परेशानी हो, उनको चिन्हित किया। इन तस्करों ने मंदसौर जिले के तस्करों से संपर्क किया। इसके बाद जिले में एमडी को लेकर तस्करी शुरु की। यही कारण है कि गरोठ क्षेत्र में बगीचे में फैक्ट्री तो एक पूर्व सरपंच के यहां पर एमडी पकड़ाई थी। राजस्थान के तस्कर अब मणिपुर के तस्करों से अवैध मादक पदार्थ सीधे मंगवा रहे है।

अब रजिस्ट्री के लिये नहीं ले जाना पड़ेंगे गवाह

सम्पदा-2 सॉफ्टवेयर में जुड़े नए फीचर, जमीनों की रजिस्ट्री में फर्जीवाड़े पर लगेगी रोक

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पंजीयन विभाग में अब रजिस्ट्री के लिए शुरु हुआ नया सॉफ्टवेयर संपदा-2 में अब और नए फीचर जोड़े जा रहे हैं। इस नए फीचर को जोड़ने का उद्देश्य फर्जीवाड़ा कर रहे सेवा प्रदाताओं पर नकेल कसना है। इस नए फीचर में रजिस्ट्री के लिए जो स्लॉट बुक होगा, उसके लिए सेवा प्रदाता का अंगूठा लगेगा। उसके बाद ही पूरी प्रक्रिया शुरू हो पाएगी, तब ही रजिस्ट्री होगी। इस फीचर के आने के बाद जो सेवा प्रदाता पत्नी, रिश्तेदार, दोस्त की आईडी पर काम कर रहे थे, उन्हें कार्यालय में बैठना होगा। सेवा प्रदाता पांच से छह आईडी अपने पास रखते थे। यदि फर्जीवाड़े में पकड़े जाएं तो दूसरी आईडी पर रजिस्ट्री का काम करते रहते हैं। अधिवक्ता सेवा प्रदाता का काम नहीं कर सकते हैं। लेकिन भाई, पत्नी व बेटे के नाम आईडी आवंटित करा के कार्य कर

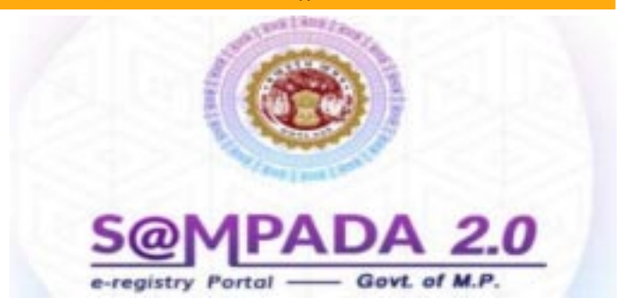

रहे थे। ओटीपी के आधार पर स्लॉट बुक कर लेते थे। दरअसल पंजीयन विभाग का संपदा-1 सॉफ्टवेयर बंद हो गया है। संपदा-2 सॉफ्टवेयर पर काम किया जा रहा है। पंजीयन विभाग के सभी कार्य इसी सॉफ्टवेयर पर किए जा रहे हैं। क्रेता-विक्रेता को हर स्टेप पर ओटीपी देनी होती है। इससे संपत्ति के विक्रय में फर्जीवाड़े में कमी आएगी। कोई दूसरा व्यक्ति फर्जी तरीके से संपत्ति नहीं बेच पाएगा। क्योंकि, आधार से संबंधित व्यक्ति का सत्यापन होगा।

स्टांप ड्यूटी चोरी के लिए अलग आईडी...

पंजीयन विभाग में स्टांप ड्यूटी चोरी के मामले अधिक हैं। क्रेता-विक्रेता को स्टांप ड्यूटी चोरी के तरीके सेवा प्रदाता के यहां से बताए जाते हैं। स्टांप ड्यूटी चोरी कर शासन को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि किसी संपत्ति में स्टांप ड्यूटी चोरी करनी है तो दूसरी खुद की आईडी से रजिस्ट्री नहीं करेंगे। दूसरी आईडी से करते हैं। यदि मामला खुलता है और आईडी निरस्त होती है तो काम बंद नहीं होगा। उप पंजीयक से संपत्ति के निरीक्षण के अधिकार छीन लिए हैं। जिला पंजीयक ही संपत्ति का निरीक्षण कर सकता है, लेकिन जिले में 30 हजार रजिस्ट्री होती हैं। इसलिए स्टांप ड्यूटी चोरी पकड़ना मुश्किल होता है। शिकायत होने पर ही खुलासा होता है।

पक्षकार को मिल रही है ई-रजिस्ट्री...

संपदा-2 में ई रजिस्ट्री पक्षकारों को मिल रही है। ई मेल पर रजिस्ट्री की कॉपी भेजी जा रही है। पंजीयन विभाग में फोटो खींचने के बाद उप पंजीयक को सत्यापन करना है। उप पंजीयक के क्लिक के बाद रजिस्ट्री मिल जाती है। अब पक्षकारों को गवाह साथ में नहीं लाने पड़ रहे है। सिर्फ क्रेता-विक्रेता कार्यालय में आ रहे है। चेकर के पद भी खत्म हो गए हैं।

आईपीएल सट्टे के नौ खिलाड़ियों को पुलिस ने दबोचा

नीमच, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट के सट्टे के नौ बुकियों को दबोचा है। पुलिस ने बताया कि 11 अप्रैल की रात नाका नम्बर 04 रजा कालोनी बघाना से आईपीएल 2025 के चेन्नई सुपर किंग्स एवं कोलकाता नाईट राईडर के क्रिकेट मैच पर ऑनलाईन आईडी के माध्यम से ऑनलाईन सट्टा करते हुए अदनान खान, रेहान उर्फ मोन्टी, बुरहान खान, अदनान खान उर्फ बिट्टु को पकड़ा था। आरोपियों का पुलिस रिमाण्ड लेकर आरोपियों से पुछताछ की गई। आरोपियों द्वारा आरोपी आंनद खण्डेलवाल एवं यश परिहार निवासी नीमच हाल मुकाम उदयपुर से आईडी प्राप्त कर अवैध सट्टा व्यापार करना बताया। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों द्वारा बताये गए स्थान पर दबिश देते 09 व्यक्तियों द्वारा लेपटॉप, मोबाईलों से बड़े स्तर पर लोटस 365 की आईडी से सट्टा व्यापार करना पाया गया। इनसे पुछताछ करते अपना नाम यश परिहार, दिग्विजयसिंह, शुभम परिहार, आनंद खण्डेलवाल, पुष्पेन्द्रसिंह, हर्षवीरसिंह, साहिल साल्वी, नीतिन पंत, आशीष लखारा होना बताया। आरोपियों के कब्जे से 02 लेपटॉप, 22 मोबाईल, विभिन्न बैंकों के 09 डेबिट कार्ड, 03 चेकबुक, 01 पासबुक, चार्जर आदि जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से जप्त बैंक खातों एवं डेबिट कार्ड के संबंध में अनुसंधान चल रहा हैं। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी है।

नप पूर्व अध्यक्ष पुत्र पर रतलाम में चाकू से जानलेवा हमला, इंदौर रेफर

पिपलिया मंडी, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद् की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती प्रवीणा गुप्ता व मंडी व्यापारी संघ के पूर्व अध्यक्ष कैलाश गुप्ता के बेटे मैनाक उर्फ़ लव गुप्ता पर 14 अप्रैल की रात्रि रतलाम में बाइक सवार चार बदमाशों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिन्हें रिश्तेदारों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से इंदौर रेफर किया। जहां मैनाक की हालत स्थिर है। इंदौर अस्पताल में भर्ती मैनाक के बयान पर इंदौर विजय नगर थाना पुलिस ने अज्ञात बदमाशो के खिलाफ जानलेवा हमले सहित अन्य धाराओं में जीरो पर प्रकरण दर्ज कर रतलाम जीआरपी थाने पर भिजवाया।

मैनाक ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह 14 अप्रेल को शाम कार से रतलाम परिचित की शादी में गए थे, वहां से गुजरात जाना था। रात्रि रतलाम रेलवे स्टेशन पार्किंग गेट पर पहुंचा था कि बाइक पर दो युवक सवार होकर आए और बोले कि कार से नीचे उतर। तू कार कैसे चला रहा था। हमें कट मारकर

निकला है। गाली-गलौज करने के बाद दोनों युवक चले गए। कुछ देर बाद दोनों अपने दो-तीन साथियों को साथ लेकर आए ओर मारपीट शुरु कर दी। एक बदमाश ने मेरी कमर के नीचे चाकू से तीन-चार वार किए, जिससे मैं लहू लूहान हालत में वहीं गिर गया और हमलावर सभी आरोपी भाग निकले। मैंने रिश्तेदारों को मोबाइल पर कॉल कर बुलाया, वे मुझे अस्पताल ले गए। मामले में पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ धारा 115, 118 (1), 296, 351 (3) 3 (5) बीएनएस में मामला दर्ज किया है।

एम्बूलेंस में पड़ा रहा शव

पिपलियामंडी, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कनघट्टी मार्ग पर शासकीय कॉलेज का पास मंगलवार दोपहर एक शव मिला। जिसकी शिनाख्त नही हो पाई। शव को 108 एम्बूलेंस से पिपलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाए, लेकिन अस्पताल में करीब डेढ़ घंटे तक शव को उतारने वाला नही मिला। जानकारी के अनुसार लाश मिलने की सूचना पर 108 एम्बूलेस शव को लेकर दोपहर 3.30 बजे पिपलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची, लेकिन शव को उतारने वाला कोई स्टाफ नही था। करीब डेढ़ घंटे बाद एम्बूलेंस ड्राइवर ने इसकी शिकायत दर्ज कराई तब जाकर डेढ़ घंटे बाद करीब 5 बजे वार्ड बाय पहुंचा शव को एम्बूलेंस से खात्याखेड़ी मार्ग स्थित पीएम कक्ष भिजवाया। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिह इवने का कहना है शव की शिनख्तगी के प्रयास किए जा रहे है।

बायोमेट्रिक नहीं हो पा रही तो अब एप से होगा फेस आइडेंटिटी ई-केवायसी

भोपाल, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सरकार ने पात्रता पर्चीधारी परिवार के सदस्यों की ई-केवायसी अनिवार्य कर दी है। जिले में ऐसे सवा लाख के करीब पात्र हितग्राही है। जिनकी ई-केवायसी नहीं हो पाई है। उन्हें अगले माह से राशन की पात्रता से वंचित होना पड़ेगा। इसके अलावा जिनके थंब नहीं मिलने के कारण ई-केवायसी में परेशानी आ रही है, उनके लिए सरकार शीघ्र ही एक मोबाइल एप बना रही है। जिसे डाउनलोड कर ऐसे हितग्राही जिनके थंब के कारण ई-केवायसी नहीं हो पा रही है, उनके फेस से ई-केवायसी की जाएगी।

जिले में पात्र लगभग आठ लाख हितग्राही है, इनमें से लगभग पौने सात लाख की ई-केवायसी हो चुकी है। करीब सवा लाख अब भी शेष बचे हुए है। सभी को शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से राशन प्राप्त होता है। ई-केवायसी के लिए 30 अप्रेल तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिले के 23 हजार से अधिक ऐसे पात्र हितग्राही वृद्ध-बच्चे और मजदूर वर्ग की सूचि भोपाल से जारी हुई है, जिनके थंब नहीं मिलने के कारण ई-केवायसी में परेशानी आ रही है। इनके लिए सरकार शीघ्र ही एक मोबाइल एप ला रही है, जिसके माध्यम से फेस आइडेंटिटी से ई-केवायसी हो जाएगी।

बम्पर आवक– तीन दिन के अवकाश के बाद खुली कृषि उपज मंडी, जिसमें लहसून और प्याज की बम्पर आवक रही।

धार-झाबुआ में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज-सीएम

मंच पर स्थान नहीं मिलने पर वापस लौटे विधायक

रतलाम, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार दोपहर को रतलाम आये। उन्होंने यहां सैलाना रोड स्थित विधायक सभागृह में अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने धार और झाबुआ में नए मेडिकल कॉलेज खोलने और रोजगारपरक उद्योगों को 70 प्रतिशत सब्सिडी देने की घोषणा की। इससे पहले स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। सीएम के साथ हेलिकॉप्टर में भोपाल से मंत्री चैतन्य काश्यप भी साथ आए थे। मंच पर मंत्री काश्यप, महापौर प्रहलाद पटेल समेत महासंघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव ने ऐलान किया कि धार और झाबुआ में नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि दो साल से कम समय में वनवासी क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाएगी। आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए नए उद्योग स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मशीन आधारित की बजाय रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को प्राथमिकता दे रही है। नए उद्योग लगाने वालों को 70 प्रतिशत सब्सिडी के साथ ब्याज और बिजली में भी छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नए औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए पक्के आवास बनाए जाएंगे। साथ ही बंद पड़े उद्योगों के बकाया भुगतान के लिए सरकार प्रयासरत है। इसी कड़ी में रतलाम की बंद पड़ी सज्जन मिल के श्रमिकों का बकाया भुगतान किया जाएगा।

नाराज हुए विधायक डामोर...

सभा में रतलाम ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामोर भी पहुंचे, लेकिन उन्हें मंच पर जगह नहीं मिली। इससे डामोर नाराज होकर सुरक्षाकर्मियों के साथ लौटने लगे। भाजपा नेता विनोद कर्मचंदानी और सीएसपी सत्येंद्र घनगोरिया ने उन्हें मनाने की कोशिश भी की। डामोर ने कहा-मैं रतलाम ग्रामीण का विधायक हूं, बिरसा मुंडा और टंट्या भील का वंशज हूं, मुझे ही मंच पर नहीं बैठाया। जबकि, महापौर मंच पर बैठे हैं। मुझे नीचे ऐसी जगह बैठाया, जहां हवा भी नहीं आ रही।

आयोजक बोले- चूक हुई है, विधायक को मना लेंगे...

कार्यक्रम के आयोजक और वनवासी ग्रामीण मजदूर संघ के प्रभारी जयंतीलाल ने कहा कि कहीं न कहीं चूक तो हुई है। विधायक हमारे हैं, हम उनके पास जाएंगे, क्षमा मांगकर उन्हें मना लेंगे।

विचार-मंथन

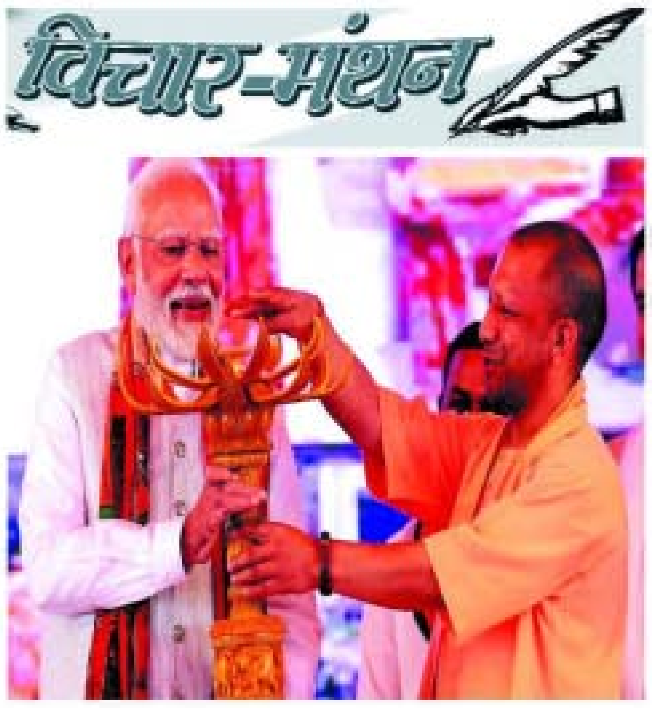

यूपी बनेगा देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन

उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति देश भर में चर्चा का विषय है। प्रकृति एवं परमात्मा की असीम अनुकंपा के बावजूद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था सातवें या आठवें स्थान पर झूलती रही। इस दौरान इसका कुल आकार भी 12 हजार करोड़ रुपये से लेकर 12.5 हजार करोड़ रुपये के बीच ही रहा। पर, मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें अभूतपूर्व बदलाव आया। आज 27.5 हजार करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ यूपी देश की देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 फीसद है। जीडीपी की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत 9.6 फीसद की तुलना में 11.6 फीसद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे 2030 तक देश की नंबर वन अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने को कृत संकल्पित हैं। अभी एक अप्रैल को भी बरेली में एक कार्यक्रम के दौरान इस बात को दोहराया था। अब तो निजी तौर पर आर्थिक विशेषज्ञ और संस्थाएं भी यह मानने लगी हैं कि उत्तर प्रदेश में विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बन सकता है। हाल ही में लखनऊ में योजना विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने भी यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि करीब 56 फीसद युवा आबादी, नौ तरह के अलग कृषि जलवायु क्षेत्र, पानी की भरपूर उपलब्धता आदि के जरिये यह संभव है। उन्होंने अलग-अलग जिलों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए जिस एक्शन प्लान का जिक्र किया था, उस पर योगी सरकार पहले से काम कर रही है। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और एक जिला-एक जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) इसकी कड़ी है। अब तो सरकार इससे भी आगे एक जिला एक पकवान के बाबत सोच रही है। ओडीओपी योजना प्रदेश की सफलतम योजना है। इसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भर कर चुके हैं। इंडोनेशिया जैसे देश भी इसकी इसके मुरीद हैं। नीति आयोग ने राजकोषीय स्थित के संबंध में जारी रिपोर्ट में यूपी को फ्रंट रनर राज्य की श्रेणी में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ ने भी कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरे स्थान पर रखा है। पिछले पांच वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट की स्थित इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने प्रभावी तरीके से कर चोरी, इसके लीकेज को खत्म किया है। इसमें डिजिटलाइजेशन को बढ़ाकर व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऋण और जमा अनुपात (सीडी रेशियो) जो हर दम से प्रदेश की समस्या रही है उसमें भी अच्छा खासा सुधार हुआ है। 2016/2017 में यह 46 फीसद था। 2024 में बढ़कर 61 फीसद हो गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में सरकार ने इसके लिए 67 से 70 फीसद का लक्ष्य रखा है। अर्थव्यवस्था में सुधार होने से बैंकों ने भी उत्तर प्रदेश के प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस करने में रुचि दिखाई है। आरबी आई की अगस्त 2023 की बुलेटिन के अनुसार फंड आकर्षित करने में 16.2 फीसद की हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। समग्रता में आप कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के मुताबिक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पूरी मजबूती के साथ चौतरफा प्रयास जारी है।

सर्कुलर इकोनॉमी अर्थव्यवस्था भारत के लिए एक आर्थिक जरूरत

ए श्याम कुमार

गौर करें तो पारंपरिक रैखिक आर्थिक मॉडल अब टिकाऊ नहीं रहा है। इसके तहत लेना, बनाना और निपटाना का फॉर्मूला लागू होता है। ऐसे में लैंडफिल पर बढ़ते दबाव, प्राकृतिक संसाधनों की लगातार होती कमी और अनियंत्रित अपशिष्ट निपटान के कारण होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। ऐसे हालात में लगातार बढ़ रही जनसंख्या, तेजी से हो रहे शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण के साथ भारत को एक परिपत्र इकॉनमी की ओर बढ़ना चाहिए। यहां ये जानना जरूरी है कि सतत विकास और जलवायु जागरूकता के सिद्धांत कचरे को एक मूल्यवान संसाधन के रूप में मानने की ये परंपरा हमें विरासत में मिली है। इसके तहत यूज की गई वस्तुओं का दोबारा उपयोग किया जाता है। साथ ही एक परिपत्र अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के माध्यम से इस प्रक्रिया को दोहराया जाता है। अब ये समय आ गया कि ये सब चीजें प्रचलन में बनी रहें। इसके लिए उपभोग और उत्पादन के अधिक टिकाऊ पैटर्न को अपनाने पर फौरन जोर देने की जरूरत है। ये जान लें के परिपत्रता इकॉनमी उच्चतम संभव मूल्य पर यथासंभव लंबे समय तक सामग्री का उपयोग करने की एक अवधारणा है। साल 2050 तक, भारत की परिपत्र अर्थव्यवस्था का बाजार मूल्य 2 ट्रिलियन होने और 10 मिलियन नौकरियां पैदा करने की उम्मीद है। यह स्टार्ट-अप और नए पुनर्नवीनीकरण उत्पादों के डेवलपर्स

के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 12वें क्षेत्रीय 3आर (3आर) और सर्कुलर इकॉनमी फोरम का हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में उद्घाटन किया गया। यह आयोजन स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और सर्कुलर इकॉनमी पहलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक खास पहल है। ये फोरम टिकाऊ उत्पादन और उपभोग पैटर्न के लिए एक व्यापक रोडमैप बनाएगा। साथ ही ये फोरम रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल यानी 3आर के सिद्धांतों पर जोर देगा। नीतिगत सिफारिशों, व्यावहारिक चर्चाओं और सहयोगी साझेदारी के माध्यम से इसका उद्देश्य संसाधन दक्षता, जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं को मजबूत करना है। ये काम साल 2009 में शुरू किया गया। ये फोरम पूरे क्षेत्र में स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देगा। इसके अलावा इससे संसाधन दक्षता को बढ़ावा मिलेगा और सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को आगे बढ़ाना की पहल भी तेज होगी। सर्कुलर इकॉनमी सिर्फ एक ऑप्शन नहीं है, बल्कि जरूरी है। यह दृष्टिकोण एक बुनियादी बदलाव दिखाता है कि हम सामग्री का उत्पादन, उपभोग और प्रबंधन कैसे करते हैं। इसमें यह निहित है कि एक अच्छी सर्कुलर इकॉनमी न केवल प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करती है, बल्कि औद्योगिक नवाचार, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और नए रोजगार सृजन को बढ़ावा देती है। सर्कुलर इकॉनमी के जरिए उत्पाद डिजाइन से लेकर उसके अंतिम प्रबंधन तक हर चरण में काम किया जा जाता है। इसके जरिए उत्पाद कम करने, दोबारा उपयोग करने और पुनर्चक्रण के सिद्धांतों को समेट कर चलना होता है। यहां यह कहना जरूरी है कि यहां कचरे को बोझ के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि उसे एक संसाधन के रूप में देखा जाना चाहिए। यह फॉर्मूला कचरे को खत्म करने और संसाधनों का लगातार उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करने पर ही केंद्रित है। इस तरह से सर्कुलर इकॉनमी एक नया प्रतिमान पेश करती है। यह उत्पादों और प्रक्रियाओं के बारे में व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर जोर देती है। इसलिए समय की मांग ये है कि हमारी उत्पादन प्रणालियों को सर्कुलर इकॉनमी के सिद्धांतों के साथ संरेखित प्रथाओं को अपनाने की बेहद जरूरत है। इससे होगा ये कि इससे संसाधन की निर्भरता कम होगी। साथ ही इससे प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। इस तरह से देखा जाए तो सर्कुलर इकॉनमी पर आधारित विकास दृष्टिकोण सतत विकास लक्ष्यों के लिए वर्ष 2030 एजेंडा को प्राप्त करने की प्रमुख रणनीतियों में से एक है। इस तरह से भारत सरकार देश को एक चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने के लिए नीतियाँ बनाकर परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही है। इन नियमों के तहत प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, ई-कचरा प्रबंधन नियम, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम और धातु पुनर्चक्रण नीति सहित कई रूल्स अधिसूचित किए गए हैं। इसके साथ ही नीति आयोग ने भी सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए कोशिशें तेज कर दी हैं। इसके जरिए कचरे को संसाधन के रूप में उपयोग करने में चुनौतियों का हल करना आसान होगा और और भारत में पुनर्चक्रण उद्योग पर दृष्टिकोण विकसित होगा। इसी तरह से स्टील उद्योग से उत्पन्न फ्लाई ऐश और स्लैग के अन्य क्षेत्रों में उपयोग को बढ़ावा देने में प्रगति हुई है। रैखिक से चक्रीय अर्थव्यवस्था में संक्रमण को आसान बनाने के लिए, प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 11 समितियाँ स्थापित की गई हैं। वैश्विक स्थिरता प्रयासों में भारत का नेतृत्व, मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) और सीओपी 26 में घोषित पंचामृत लक्ष्यों जैसी पहलों के माध्यम से भारत प्रगति की राह पर है। इसके जरिए साल 2070 तक प्रदूषण को लेकर शुद्ध-शून्य भविष्य का लक्ष्य हासिल करने मे मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, स्वच्छ भारत मिशन और अमृत 2.0 जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य भी शहरी कचरे और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण से निपटना है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, बॉयो-सीएनजी और ई-कचरा रीसाइक्लिंग पर सरकार का ध्यान कम कार्बन, संसाधन-कुशल समाज बनाने के प्रति उसके समर्पण को भी दोहराता है। इस तरह से देखा जाए तो एक परिपत्र अर्थव्यवस्था को अपनाने से इंडिया को हरेक साल काफी लाभ मिल सकता है। इससे भीड़भाड़ और प्रदूषण को नियंत्रत करने में काफी कमी आएगी। इससे अर्थव्यवस्था में बड़ा ही योगदान मिलेगा। इसी तरह से संसाधन दक्षता को अधिकतम करने और सीमित संसाधनों की खपत को कम करने से नए व्यवसाय मॉडल और उद्यमशील उपक्रमों के उद्भव को बढ़ावा मिलेगा। इससे आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने में मदद मिलेगी। पारंपरिक संधारणीय प्रथाओं को अत्याधुनिक बनाया जाए और उन्हें प्रौद्योगिकीय प्रगति के साथ एकीकृत किया जाए। ऐसा करने से सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ाया जा सकेगा।

मेक इन इंडिया का कमाल, डिफेंस प्रोडक्शन का किंग बना भारत

अमित शर्मा

भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल ने भारत के रक्षा क्षेत्र को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है। स्वदेशी विनिर्माण को प्रोत्साहित करके और आयात पर निर्भरता को कम करके, इन कार्यक्रमों ने एक मजबूत घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा दिया है। लड़ाकू जेट, पनडुब्बी, टैंक और मिसाइलों सहित कई प्रमुख प्लेटफॉर्म अब भारत में डिजाइन किए जा रहे हैं, जिससे आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। इसी क्रम में रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 जैसी पॉलिसी की शुरुआत भारतीय वेंडर्स पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वदेशी खरीद को बढ़ावा देती है। बाय इंडियन (आईडीडीएम) जैसी कैटेगरी से यह सुनिश्चित हुआ कि भारतीय वेंडर्स को प्राथमिकता मिले।भारत के रक्षा निर्यात में हाल के वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का निर्यात 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया, जो 2016 में केवल 1,500 करोड़ रुपये से अभूतपूर्व वृद्धि है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, आर्टिलरी सिस्टम और रडार तकनीक सहित भारतीय रक्षा उत्पादों को फिलीपींस, आर्मेनिया और कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को निर्यात किया जा रहा है। प्रमुख सौदे: ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली के लिए फिलीपींस का 375 मिलियन डॉलर का सौदा वैश्विक रक्षा बाजार में भारत की बढ़ती विश्वसनीयता को दर्शाता है। नीतिगत बदलावों और सुव्यवस्थित निर्यात प्रक्रियाओं ने भारत के रक्षा निर्यात में वृद्धि को सुगम बनाया है, जिससे भारत उन्नत रक्षा उपकरणों का एक विश्वसनीय निर्यातक बन गया है। सरकार ने रक्षा क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी सुनिश्चित कर इनोवेटिव और कॉम्पिटिटिव माहौल बनाया है। स्थापित सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के साथ-साथ 300 से अधिक निजी कंपनियां अब भारत के रक्षा उत्पादन में योगदान दे रही हैं। प्राइवेट प्लेयर्स की उपस्थिति ने गुणवत्ता मानकों में जबरदस्त सुधार किया है, लागत कम की है और फास्ट डिलीवरी समय सीमा भी सुनिश्चित की है। ग्लोबल इन्वेस्टमेंट और तकनीकी विशेषज्ञता को ज्यादा से ज्यादा हासिल करने के लिए, सरकार ने रक्षा क्षेत्र में ऑटोमेटिक रूट के जरिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को 74 प्रतिशत और सरकारी अनुमोदन के साथ 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। इस कदम ने विदेशी डिफेंस कंपनियों को भारत में प्रोडक्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया है, इस वजह से मेक इन इंडिया का लोहा दुनिया मान रही है। भारत ने स्वदेशी एडवांस्ड डिफेंस प्लेटफॉर्म विकसित कर दुनिया में डिफेंस एक्सपोर्टर के तौर पर अपना मजबूत स्थान बना लिया है। ये प्लेटफॉर्म न केवल भारत की रक्षा क्षेत्र में क़ाबिलियत का दुनिया को परिचय करा रहे हैं बल्कि प्रौद्योगिकी-संचालित रक्षा शक्ति के रूप में देश की छवि को भी मजबूत करते हैं। उन्नत एवियोनिक्स और लड़ाकू क्षमताओं वाला 4.5-पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर जेट। अर्जुन मेन बैटल टैंक: स्वदेशी रूप से विकसित तीसरी पीढ़ी का बैटल टैंक। आईएनएस विक्रांत: भारत का पहला स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत, जो समुद्री शक्ति को बढ़ाता है। एक स्वचालित होवित्जर प्रणाली जिसने भारत की तोपखाने की क्षमताओं को मजबूत किया है। डिफेंस प्रोडक्शन को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए, भारत ने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर स्थापित किए हैं। इन कॉरिडोर का उद्देश्य रक्षा उद्योगों के समूह बनाकर, रोजगार पैदा करके और नवाचार को बढ़ावा देकर भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को और बढ़ाना है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर ने पहले ही 20,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश आकर्षित किया है और निवेश पाइपलाइन में है। भारत ने उभरते वैश्विक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए डिफेंस टेक्नोलॉजी में रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) पर जबरदस्त काम किया है। रक्षा बजट अब आरएंडडी के लिए एक बड़ा हिस्सा आवंटित रहता है, जिसमें एआई, साइबर सुरक्षा, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और एडवांस्ड मटेरियल जैसी उभरती तकनीकों का किया जा रहा है। इतना ही नहीं 'इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस' प्रोग्राम रक्षा उद्योग और स्टार्टअप के बीच तालमेल को बढ़ावा दे रहा है, जिससे रक्षा क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिला है। रक्षा मंत्रालय ने स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देते हुए महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए कई सकारात्मक कदम उठाए हैं। लाइट वेट टैंक, आर्टिलरी गन, मिसाइल और कम्युनिकेशन सिस्टम सहित 500 से ज्यादा डिफेंस आइटम का अब भारत में ही निर्माण करना अनिवार्य है।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में असमानता और भारत की सेहत का आईना

भारत का कुल स्वास्थ्य बजट 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 2.1 प्रतिशत है, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक न्यूनतम 5 प्रतिशत है। यह बजट अपेक्षाकृत कम है, खासकर तब जब हम देखते हैं कि भारत में एक बड़े हिस्से को अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। हर वर्ष 7 अप्रैल को जब विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, तो यह अवसर केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का दिन होना चाहिए। विशेष रूप से भारत जैसे देश के लिए जहां स्वास्थ्य सेवाएं आज भी बहुसंख्यक आबादी के लिए दुर्लभ और असमान हैं। एक ओर चमकते शहरों में आधुनिक अस्पताल हैं, तो दूसरी ओर करोड़ों गरीब नागरिक ऐसे हैं जो बुनियादी चिकित्सा सुविधा तक नहीं पहुंच पाते। भारत में स्वास्थ्य आज भी एक सेवा नहीं, संघर्ष है- गरीबी, कुपोषण, असमानता और उपेक्षा से जूझते लोगों के लिए यह दिवस एक चेतावनी है कि विकास की दौड़ में पीछे छूट गए लोगों की सेहत की सुध लेना अब टालना संभव नहीं। स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की स्थिति- उपलब्धि और विडंबना भारत ने पिछले कुछ दशकों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पोलियो उन्मूलन, कोविड-19 के दौरान टीकाकरण अभियान और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के जरिए सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। लेकिन ये सफलता की कहानियां केवल कहानी बन कर न रह जाएं, इसके लिए जरूरी है कि हम आंकड़ों की तह में जाकर असलियत को देखें। भारत का कुल स्वास्थ्य बजट 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 2.1 प्रतिशत है, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक न्यूनतम 5 प्रतिशत है। यह बजट अपेक्षाकृत कम है, खासकर तब जब हम देखते हैं कि भारत में एक बड़े हिस्से को अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। गांवों में तो सरकारी अस्पताल अक्सर डॉक्टर, दवा और उपकरणों के अभाव में सिर्फ इमारत बनकर रह जाते हैं। भारत में स्वास्थ्य और गरीबी का संबंध इतना गहरा है कि अक्सर ये दोनों एक-दूसरे को जन्म देते हैं। जो लोग गरीब हैं, उन्हें पौष्टिक भोजन नहीं मिलता, वे अस्वच्छ माहौल में रहते हैं और चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित रहती है। जब वे बीमार पड़ते हैं, तो उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा इलाज में चला जाता है, जिससे वे और गरीब हो जाते हैं। यह एक चक्रव्यूह है, जिससे निकलना आसान नहीं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार, भारत की लगभग 35 प्रतिशत जनसंख्या अब भी कुपोषण से ग्रस्त है और बालकों में स्टंटिंग (लंबाई कम होना) और वेस्टिंग (वजन कम होना) जैसी समस्याएं आम हैं। इस कुपोषण का सीधा संबंध गरीबी से है, जो स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के साथ मिलकर एक भयावह तस्वीर प्रस्तुत करता है। बाल और मातृ मृत्यु दर भारत ने बाल मृत्यु दर में कमी लाने के प्रयास किए हैं, लेकिन अब भी यह दर कई विकसित देशों की तुलना में बहुत अधिक है। एनएफएचएस-5 के अनुसार, भारत में प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 28 शिशुओं की मृत्यु हो जाती है। मातृ मृत्यु दर भी चिंताजनक है–हर 100,000 जन्मों पर 97 महिलाओं की मृत्यु होती है, जो बताता है कि गर्भावस्था और प्रसव भारत में अब भी जोखिमपूर्ण अनुभव है। इसका मुख्य कारण है- स्वास्थ्य केंद्रों की कमी, प्रसव पूर्व देखभाल का अभाव, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता में कमी और समाज में महिला स्वास्थ्य के प्रति उपेक्षा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी भयावह है जहां महिलाएं अवसर बिना किसी चिकित्सीय मदद के घर पर ही प्रसव करने को मजबूर होती हैं।

आज का राशिफल

मेष: [illegible] शुभांक-2-5-7

वृषभ: [illegible] शुभांक-3-6-7

मिथुन: [illegible] शुभांक-5-6-9

कर्क: [illegible] शुभांक-1-6-7

सिंह: [illegible] शुभांक-2-5-6

कन्या: [illegible] शुभांक-3-6-7

तुला: [illegible] शुभांक-2-3-7

वृश्चिक: [illegible] शुभांक-2-6-8

धनु: [illegible] शुभांक-4-6-9

मकर: [illegible] शुभांक-3-5-8

कुंभ: [illegible] शुभांक-4-6-9

मीन: [illegible] शुभांक-3-6-9

सुडोकू पहेली क्रमांक-5567

		1			3	2		
9						1	7	
8	4			1		6		9
				2	5			
2	6						8	3
			7	6				
1		3		7			2	4
	9	7						6
		8	4			9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र.5566

5	4	3	9	1	7	2	6	8
9	8	6	5	3	2	1	7	4
7	1	2	8	6	4	9	5	3
3	2	5	6	4	1	7	8	9
1	6	8	7	5	9	3	4	2
4	9	7	2	8	3	6	1	5
2	7	4	1	9	5	8	3	6
6	3	9	4	7	8	5	2	1
8	5	1	3	2	6	4	9	7

वर्ग पहेली 5567

संकेत: बाएं से दाएं

1. 8 जुलाई 1994 को जिसकी मुखाई इस देश की प्रथम महिला अंतरिक्ष यात्री बनी (3)
4. इस राज्य का प्राचीन नाम प्राग्ज्योतिषपुर है (3)
7. बलिष्ठ पुरुष, बलवीर (4)
9. गहन चिंतन करने का भाव (3)
10. गमन करना, प्रस्थान करना (2)
11. कन से उत्पन्न वस्तु (3)
12. शक्तिविहीन, संलग्न, संक्षेप्य (3)
13. रस्म, प्रथा, चलन, सामाजिक नियम (3)
15. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई जो दो कोस के बराबर होती थी (2)
16. निजका, निजी, स्वकीय (3)
17. जिसका कोई रक्षक, मददगार या स्वामी हो (3)
19. कृत्रिम, बनावटी (2)
20. मुकाम, पड़ाव (2)
22. शरीर में मुंह से तेज हवा झटके से बाहर निकालना (3)
25. वह जो किसी के पक्ष में कानूनी रूप से सार्थक हो (3)
26. मस्तक, माथा, ललाट, माथा (3)

ऊपर से नीचे

1. जगह-जगह, यत्र-तत्र, जहां-तहां (3)
2. पतझड़, परवरिश करना (6)
3. आसमान, अंबर, व्योम (2)
4. यह नाम सरोदवादन के साथ जुड़ा है (7)
5. पुत्र बेटा (अंग्रेजी)(2)
6. इच्छा होना, दिल में आना, कांक्षा करना (3)
8. स्नान, डीप से तारामंडल, विमान (3)
14. बौद्ध मंदिर, शिखर, टीला, ढेर (2)
18. वह आघात जो प्रेमवश किसी के शरीर या पीठ आदि पर हथेली से धीरे-धीरे पहुंचाया जाए (3)
21. छोटा तालाब, अभिनय गति, प्राकृतिक जलाशय, संगीत से संबंधित एक शब्द (2)
23. परिषद, गोष्ठी, विधान परिषद, अंजुमन (2)
24. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा, कमल कुमुद आदि फूलों की डंडी या खोखली डंडी (2)

वर्ग पहेली 5566 का हल

भक्ति यदि अहंकारी हो जाए तो वह भगवान से विभक्त हो जाता है-मुख्य यज्ञाचार्य

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। महासोमयज्ञ करने दर्शन करने ओर परिक्रमा से प्रभु हमें दृष्टिदिशा प्रदान करते हैं। क्योंकि जिन नेत्रों ने सोमयज्ञ के तेजोमय स्वरूप के दर्शन किए हैं निश्चित ही उनका जीवन धन्य हो जाता है और वह सदा अपने शुभ संकल्पों के साथ जीवन यात्रा में सफलतापूर्वक आगे बढते हैं। यह विचार श्री विराट वाजपेय सोमयज्ञ के सर्वाध्यक्ष पूज्यपाद वैष्णवाचार्य गोस्वामी पद्मभूषण डॉ. श्री गोकुलोत्सव जी महाराज श्री ने यज्ञशाला में तृतीय दिवस व्यक्त किये। आपने कहा कि महासोमयज्ञ के दर्शन करने से हमारी दृष्टिमें काम, क्रोध, मद, लोभ, ईर्ष्या द्वेष जैसे भाव समाप्त हो जाते हैं। फिर हमारे विशुद्ध नेत्रों की दृष्टिसे हम जो सृष्टिदेखते हैं वह अत्यंत ही सुंदर निर्मल पवित्र और सकारात्मक दृष्टिगोचर होती है। जिस प्रकार से कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर से सारे वायरस दूर हो जाते हैं वैसे ही सोमयज्ञ करने से भी एंटीवायरस सिस्टम के तहत हमारे अंदर की सारी विकृतियां समाप्त हो जाती है। सोम यज्ञ करने वालों को दीक्षा मंत्र दिया जाता है जो उनके जीवन के हर कठिन मार्ग की बाधाएं दूर करता है।

आपने कु-दृष्टि और सु-दृष्टि की व्याख्या करते हुए उदाहरण देते हुए बताया कि गुरु द्रोणाचार्य ने अपने रसोई बनाने वाले सेवक को कहा कि मैं जो अन्न ग्रहण करूं उसे पर्दे में रखना उस पर दुर्योधन की कु-दृष्टि नहीं पड़नी चाहिए। आपने कहा कि जो भी व्यक्ति सौम्यज्ञ करते हैं उनके पूर्वज उन पर परम प्रसन्न होते हैं उनकी पीढियां तर जाती हैं। भूमि भूमि दोष का निवारण हो जाता है सोम यज्ञ की अग्नि परम पवित्र होती है आपने कहा की भक्ति यदि अहंकारी हो जाए तो वह भगवान से विभक्त हो जाता है। राजा बलि के यज्ञ विधान के पश्चात जब भगवान श्री हरि विष्णु वामन अवतार के रूप में उनकी यज्ञशाला पहुंचे तो तीन कदम भूमि उन्होंने दान में मांगी तभी दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने राजा बलि को सावधान किया कि ये वामन के रूप में भगवान विष्णु है और यह तुम्हें धोखा देंगे तब राजा बलि ने अपने गुरु शुक्राचार्य से कहा कि भगवान से यदि मुझे धोखा मिलता है तो इससे बड़ा मेरा सौभाग्य क्या होगा ऐसा धोखा मुझे बार-बार मिले यह मौका कब मिलेगा। क्योंकि भगवान के द्वारा दिए गए धोखे में भी हमारा कल्याण निहित रहता है। सोम यज्ञ की तेजोमय ऊर्जा अनंत होती है 100 में युद्ध की संरचना बड़ी अलौकिक होती है। सोम यज्ञ ग्रस्त जीवन के लिए ही है क्योंकि गृहस्थ आश्रम में हमें धर्म के पालन के लिए भी अर्थ की आवश्यकता होती है क्यों इसलिए कहा गया है कि धर्म के मूल में अर्थ है और मनुष्य जीवन में सकाम यज्ञ सोम यज्ञ ही होता है। जो हमारी सुप्त कामनाओं को भी पूरी करता है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी हेमंत शर्मा ने दी।

तीसरे दिवस जनपद परिवार सम्मिलित हुआ यज्ञ में- सोमयज्ञ के तीसरे दिवस प्रात:काल की पाली में जनपद अध्यक्ष बसन्त शर्मा के साथ ही जनपद परिवार के सदस्य जोड़े सोमयज्ञ में शामिल हुए और सभी ने श्रद्धापूर्वक यज्ञ वेदी में। आहुति दी। यज्ञ पश्चात पूज्य महाराज श्री ने बसंत शर्मा ओर जनपद परिवार के सभी जोड़ों को उपरणा पहना कर आशीर्वाद प्रदान किया।

सोम यज्ञ वेदी से उठी 35 फीटज्वाला- सोम यज्ञ की विधि से जब यज्ञ आचार्य द्वारा शुद्ध औषधि और वनस्पति संविदा की आहुतियां दी जाती है तब यज्ञशाला में सभी का ध्यान इस पर यज्ञ की ज्वाला की ओर आकर्षित होता है आचार्य गण जैसे ही सोम यज्ञ विधि में आहुति डालते हैं तत्काल 30 से 35 फीट उंची अग्नि ज्वाला प्रकट होती है। इस दृश्य को देखना बड़ा ही अद्भुत होता है। यज्ञशाला में ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं भगवान यज्ञ नारायण प्रकट हुए हों। यह दिव्य दृश्य देखकर यहां उपस्थित यज्ञार्थियों, दर्शनार्थियों और परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को बड़ा ही अलौकिक अनुभव होता है।

देव विमान ,शेषनाग और गिरिराज जी के दर्शन हुए अग्नि ज्वाला में- महासोमयज्ञ में जब प्र यज्ञ के समय सोम अग्नि से 35 से 40 फीट उंची अग्नि ज्वाला उठती है तो हमें ठाकुर जी के विविध स्वरूप में दर्शन होते हैं। सोम यज्ञ की अग्नि शाला में द्वितीय दिवस सायंकाल देव विमान और शेषनाग के दर्शन हुए तो तृतीय दिवस अग्नि ज्वाला में स्वयं गिरिराज जी प्रकट हुए हों ऐसी छवि के दर्शन सभी ने किए। ठाकुर जी अपनी उंगली पर गिरिराज जी को धरे हुए हैं अग्नि ज्वाला में यह दृश्य देखा गया। यज्ञशाला में जो भी लोग मौजूद थे सभी रोमांचित हो उठे और सभी ने भगवान यज्ञ नारायण की जय जयकार के उद्घोष किए।

राज्यसभा सांसद माया नरोलिया ने 108 परिक्रमा की- भोपाल से आई राज्यसभा सांसद व प्रदेश महिला मोर्चा के अध्यक्ष माया नारोलिया ने सोम यज्ञशाला में यज्ञ दर्शन के पश्चात 108 परिक्रमा लगाई अपने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि सोम यज्ञशाला की परिक्रमा का यह दुर्लभ अवसर भगवान की कृपा से ही प्राप्त होता है।

उज्जैन विधायक भी शामिल हुए सोमयज्ञ में- महासोम यज्ञ के तृतीय दिवस सुबह की पाली में उज्जैन दक्षिण के विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा भी सम्मिलित हुए। और उन्होंने श्रद्धापूर्वक पूरी यज्ञ विधि में भाग लिया और यज्ञशाला की परिक्रमा लगाई। उन्होंने कहा कि जब मुझे यहां का निमंत्रण प्राप्त हुआ तभी से मेरे मन में सोम यज्ञ में सम्मिलित होने की प्रेरणा जागृत हुई और आज सोम यज्ञ कर अपने जीवन को धन्य महसूस कर रहा हूं।

स्कूली बच्चों ने किए यज्ञ दर्शन ओर लगाई परिक्रमा- सोमयज्ञ आयोजन समिति द्वारा महासोम यज्ञशाला में यह नवाचार किया गया कि नगर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों को आमंत्रित कर यज्ञ दर्शन कराए जाएं इस कड़ी में द्वितीय दिवस की संध्या समय क्रिकेट अकादमी के बच्चों ने और तृतीय दिवस प्रात: काल की वेला में लोह पुरुष सरदार पटेल विद्यालय के विद्यार्थियों और एनसीसी के कैंडेटस ने यज्ञ दर्शन किये। नगर के अखाड़ा समितियों के प्रतिनिधियों ने भी यज्ञ दर्शन कर परिक्रमा लगाई। इस अवसर पर वल्लभ कुल के युवाचार्य बाबा श्री उमंग राय जी महाराज ने विद्यार्थियों को सोम यज्ञ का महत्व दर्शन और परिक्रमा की महिमा बताइए इस दौरान यहां सांसद सुधीर गुप्ता आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ओर अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

रात्रि में प्रतिदिन हो रहे हैं सांस्कृतिक कार्यक्रम- श्री सोम यज्ञशाला में संस्कृत वंश का भी पंडाल बनाया गया है जिसमें प्रतिदिन रात्रि के समय 8:00 बजे से स्थानीय कलाकार अपने भक्ति गीत भक्ति नृत्य व भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्र मुक्त करते हैं। नरेंद्र कुमार त्रिवेदी सूत्रधार की भूमिका निभाते हैं।

कन्या महाविद्यालय में डॉ. आम्बेडकर की जयंती मनाई

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के तत्वाधान में महाविद्यालय में बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर जयन्ती समारोह पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डा.पी.एल.पाटीदार ने भारतरत्न डा.भीमराव अम्बेडकरजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि हम म.प्र. वासियों के लिए यह गौरव का विषय है कि संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा.भीमराव अंबेडकरजी का जन्म म.प्र. के महू में दिनांक 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। वे उच्च शिक्षा प्राप्ति के बाद स्वतंत्रता आंदोलन के सहभागी बने। उन्होने देश की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक आजादी के लिए संघर्ष किया। वे विधिवेत्ता थे। उनकी स्मृति में इस दिवस को समानता एवं ज्ञान दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। ज्ञान के क्षेत्र में परिपूर्ण व्यक्तित्व होने से उन्हें स्वतंत्र भारत के कानून मंत्री बनाया गया। आपके नेतृत्व में स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण हुआ जो भारत की अमूल्य धरोहर है। हमारा संविधान,हमारा सम्मा है। संविधान ने भारत को आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक दृष्टि से प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर किया और हम सब मिलकर संविधान का अमृत महोत्सव मना रहे है और विकसित भारत 2047 के लिए कृत संकल्पित है। कार्यक्रम का संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डा.राजश्री ठाकुर ने किया एवं आभार माना। समारोह के आंरभ में स्टाफ एवं छात्राओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया। इस अवसर पर महाविद्यालयीन स्टाफ एवं 40 छात्रायें उपस्थित रही।

केन्द्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन आज

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के निर्देशानुसार केंद्र सरकार द्वारा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठनेता सोनिया गांधी जी एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी पर झूठे केस में चार्जशीट फाइल करने के विरोध में बुधवार दोपहर 2:00 बजे मन्दसौर गांधी चौराहे पर कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन एवं सभी वरिष्ठ नेतागण शामिल होंगे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने सभी कांग्रेस जनों से एवं वरिष्ठ नेताओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस प्रदर्शन में अनिवार्य रूप से सम्मिलित हो।

जिले में लोकमाता देवी अहिल्या बाई त्रिशताब्दीं समारोह का आयोजन

निबंध, वाद-विवाद एवं पोस्टर प्रतियोगिता सम्पन्न

नीमच, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। लोकमाता देवी अहिल्याबाईजी होल्कर त्रिशताब्दी समारोह जिले के सभी शासकीय हाई स्कूल, हायर सेकण्डरी विद्यालयों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उनके जीवन, कृतित्व और व्यक्तित्व पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। लोकमाता देवी अहिल्या बाई जी त्रि-शताब्दी कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें उनके जीवन और कृतित्व से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को अपनाने का अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम न केवल देवी अहिल्या बाई के जीवन को याद करने का अवसर है, बल्कि उनके आदर्शों और मूल्यों को आत्मसात करने का भी अवसर है। उनके आदर्शो,कर्तव्य प्रेरणा से आज के नवयुवकों का भी मार्ग प्रशस्त हो इस उदेश्य से जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता,वाद-विवाद प्रतियोगिता,पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सी.ई.ओ.अमन वैष्णव व जिला शिक्षा अधिकारी सुजानमल मांगरिया के निर्देशानुसार जिले के सभी हाई स्कूल व हायर सेकण्डरी विद्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन कर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। विद्यार्थियों को स्मार्ट बोर्ड व इंटरेएक्टिव पैनल के माध्यम से लोकमाता देवी अहिल्या बाई जी के जीवन वृतान्त एवं कार्यो पर आधारित वृत चित्र का प्रदर्शन किया गया। यह जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी नीमच ने दी हैं।

मप्र के लिये गौरव है डा.भीमराव आम्बेडकर-प्राचार्य शर्मा

मप्र जनअभियान परिषद द्वारा डा.आम्बेडकरजी की जंयती पर संगोष्ठी सम्पन्न

कयामपुर/सीतामऊ, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश के लिये गौरव का विषय हैं की विश्व में जिनकी ख्याती है,उनका जन्म महु में 14 अप्रैल 1891 में हुआ था। जिनको 9 भाषाओं की जानकारी के साथ ही 32 उपाधी प्राप्त थी। ऐसे महान डा.भीमराव अम्बेडकरजी का जन्म मध्यप्रदेश में हुआ है। उक्त विचार मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद विकासखण्ड सीतामऊद्वारा आयोजीत डा.भीमराव अम्बेडकरजी की जंयती कार्यक्रम में शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय कयामपुर मे मंगलवार को संकुल प्राचार्य एवं मुख्यवक्ता विक्रम शर्मा ने व्यक्त किये।

संकुल प्राचार्य विक्रम शर्मा ने कहा की संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा.भीमराव अम्बेडकरजी के नेतृत्व में 2 साल 11 माह 18 दिन में संविधान को लिखा गया था। जो 26 जनवरी 1950 को लागु किया गया था। भारत के पहले विधि मंत्री डां.भीमराव अम्बेडकर बने,जिन्होन छुआछुत का विरोध किया। उन्होने हर नागरिक को समानता का अधिकार दिया। श्री शर्मा ने जल गंगा संवर्धन अभियान के बारे में बताया की पृथ्वी मात्र 1.2 प्रतिशत जल पीने योग्य है जिसे बचाना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में सरपंच जगदीश माली ने डा.अम्बेडकरजी की जंयती पर अपने विचार व्यक्त किये।

विकासखण्ड समन्वयक नारायणसिंह निनामा ने कहा की डां.भीमरावजी अम्बेडकर का जीवन संघर्ष पुर्ण रहा। उनका जीवन समाज के लिये आदर्श है। परामर्शदाता हरिओम गंधर्व,दयाराम गोस्वामी ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में परामर्शदाता चरणसिंह चौहान,मंगला बैरागी,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बर्डिया बरखेडा मांगीलाल लिलोरिया, मुख्यमंत्री सामुदायीक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की छात्रा ज्योती धाकड, नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति के कार्यक्रम समन्वयक हरिओम गंधर्व,जनजागरण विकास समिति के दिलीप भटनागर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक-शिक्षकाएं एवं मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के प्रस्फुटन, नवांकुर, सीएमएलडीपी के सामाजिक कार्यक्रर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हरिओम गंधर्व ने किया। अंत में आभार नारायणसिंह निनामा ने माना।

स्व. शेखावत प्रथम इंटर स्कूल खेल प्रतियोगिता आज से

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। खेलों को बढावा देने एवं खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के उददेश्य से जिला खेल और युवा कल्याण विभाग, राजीव गांधी पी.जी कॉलेज एवं आयोजित खेल संघ मंदसौर के संयुक्त तत्वाधान में आज 16 अप्रैल से 18 अप्रैल 2025 तक जिला मुख्यालय मंदसौर में प्रथम इंटर स्कूल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, बास्केटबॉल एवं खो-खो खेलों में विभिन्न आयु वर्ग में खेल प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। बास्केटबॉल एवं फुटबॉल खेल का आयोजन पी.जी. कॉलेज मैदान मंदसौर एवं एथलेटिक्स एवं खो-खो खेलों का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग मंदसौर में किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में मंदसौर जिले के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 600 खिलाडी भाग लेंगे।

हास्य-व्यंग्य...

सयाने की खोज

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। हर नगर , गली - मोहल्ले में आपको सयाने मिल जाएंगे किन्तु मेरे नगर का सयाना एक अलग ही किस्म का है। वह दिन भर में दो-चार मिलने वालों को पकड कर उनके कान में अपने मुख रूपी नाले के कीच को उंडेल कर फारिग नहीं हो जाता तब तक उसको चैन नहीं मिलती । कोई भी व्यक्ति हो, उसका मेहमान भी क्यों न हो सबके मस्तक पर अपनी दीर्घ वाक्शैली से अपनी तारीफ और महानता अपनी जिह्वा की मुहर कुशलता से उनके मस्तक पर लगा नहीं दे तब तक उसे शांति नहीं मिलती। राजनीति में या अन्य संस्थान में किसी को कोई पद मिल जाता है तो वह तुरंत आशीर्वाद लेने - देने पहुंच जाता है । जैसे गाय अपने बछडे को जीभ से चाट कर दुलारती है वैसे ये अपनी जिह्वा को शहद से सिक्त कर श्रीमानों को शब्द पुष्प से चाटने का उपक्रम कर सहलाने लगता हैं । सयानेजी की कृपा - योगदान से उन्हें उपलब्धि हुई या पद मिला ऐसा वो जाहिर करने में लग जाता है। एक बार तो बात बात में उसने कह दिया कि मैंने तरकीब बताई उसी से अमुक मुख्यमंत्री बन गया , तो पास खडे शागिर्द ने उसकी कमर में झट चिकुटी काटी तो सयाने ने अपनी जबान की लंबाई को तुरंत कम कर विषय बदल लिया । इस सयाने को अपने सम्मुख वाले को प्रसन्न कर अपनी बात स्थापित करने के लिए अन्य की शताधिक झूठ से युक्त निंदा करने से भी कोई गुरेज नहीं । सयाने का नगर में ऐसा प्रभाव है कि कोई परिचित उनको दूर से आता हुआ देख लेता है तो झट रास्ता बदल पतली गली से निकल लेता है , तब यह पीड़ा उनको सालती रहती है । फलत: जब भी दूसरे के सामने मौका मिला कि पहले वाले के चरित्र को निपटाने में लग जाता है । दूसरा गया कि उसके पीठ पीछे उसके चरित्र को निपटाने में लग जाता है । खुदा न खास्ता कोई उनके हत्थे चढ ही गया तो खैर नहीं , कान पकाकर ही छोड़ता। कभी कभी तो किसी जाते हुए को रोककर अपनी भड़ास निकालने से वह नहीं चुकता । वह जबान से बात ही नहीं करता बल्कि एक हाथ से सामने वाले के कंधे पर थाप भी मारता जाता है सुनने वाले का कंधा व पैर मजबूत होना भी जरूरी है, अन्यथा वह गिर भी सकता है। कभी कभी तो यह ठपकार इतनी भारी होती की सामने वाले का कंधा दुखने लगता है पीछा छुड़ाने के लिए वह इधर- उधर ताकने लगता है। सयाना कहीं सभा में खड़ा हो जाए तो विषय को छोड़कर अपने कार्यों व कृत्रिम उद्भट्टता का बखान कर दूसरे वक्ता का समय छीनते देख जानकार श्रोताओं को ताली बजाना पड़ती है ताकि वे अपने स्थान पर विराजमान हो जाएं। असमय ताली बजा देने पर भी उनको बड़ी पीड़ा होती है ।

ऐसे सयाने जीवन के हर क्षेत्र , हर गांव- नगर में आपको मिल जाएंगे। कुछ लोग इनको फैंकू की संज्ञा भी देते हैं तो कुछ बकवादी। सावधान रहने के अपने आसपास कुछ खोजिए तो सही कुछ तो आनंद मिलेगा । बस जरा आपको धैर्य रखना पड़ेगा।

भगवतीप्रसाद गेहलोद, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	10	2110	2320
उडद	3	5300	5300
सोयाबीन	3451	4170	4557
गैहु	13500	2340	2870
चना	463	5300	5701
मसुर	90	6000	6200
धनिया	173	6111	7801
लहसुन	19000	2000	7000
मैथी	1056	3800	5852
मुंगफली	542	4190	5281
अलसी	1703	6400	6817
सरसो	133	5700	5900
तारामीरा	5	5451	5550
इसबगोल	150	10001	12801
प्याज	5481	281	901
कलोंजी	12	13501	18370
तुलसी बीज	1	7100	7100
डॉलर	269	7600	9330
तिल्ली	3	7600	7600
जौ	6	2101	2206
मटरसुखी	6	2424	3091
असालीया	56	7251	7467
चियाबीज	118	8200	12900

अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर...

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। हमारे भारत देश में समय समय पर परिस्तिथियो के अनुसार संतो महापुरुषों ने जन्म लिया हे। इन्ही महापुरुषों में से एक थे भगवान महावीर स्वामी। भगवान महावीर स्वामी वह महान विभूति हे जिन्होने मानव के कल्याण के साथ ही साथ पशु पक्षियों के कल्याण के लिए अपने राज पाट और वैभव को छोड कर तप, त्याग और सन्यास के रास्ते को अपना लिया था। वसुधेव कुटम्बकम के आदर्श का जितना सुंदर प्रतिपादन भगवान महावीर ने किया हे उतना कदाचित ही कन्ही हुआ हो। संसार के प्रत्येक प्राणी यंहा तक की जड वस्तुओ के प्रति भी उनके मन में करुणा के भाव थे वे किसी के प्रति शत्रुता के भाव नही रखते थे। किसी से द्वेष नही करते थे अपने अपराध व गलती के लिए सबसे क्षमा प्रार्थी थे। महावीर स्वामी का अहिंसा का दिव्य संदेश स्वार्थ प्रवृति एवम संकीर्ण मनोवृति को विराम देने वाला हे।अहिंसा कायरो का शस्त्र नही वीरो का भूषण हे। सर्वे भवन्तु सुखिन की मंगल भावना अहिंसा का अमूल्य विचार हे। अगर महावीर स्वामी जी के उपदेशो के सार के बारे में बात की जाए तो त्याग व संयम, प्रेम व करुणा, शील व सदाचार ही इनके उपदेशो का सार था। भगवान महावीर ने अहिंसा का मार्ग बताते हुए मनुष्य में मानवता का भाव जगाने के लिए कई सिद्धांत प्रतिपादित किए जो वर्तमान समय में भी प्रासंगिक हे। भगवान महावीर का जन्म चेत सुदी तेरस के दिन हुवा जिसे आज सारा विश्व महावीर जन्म कल्याणक या महावीर जयंती के नाम से मान रहा है। भगवान महावीर स्वामी ने जियो और जीने दो के रूप में एक महामंत्र सम्पूर्ण विश्व को दिया। यह महामंत्र जैन पंथ ही नही वरन सम्पूर्ण सनातन धर्म का मूल मंत्र हे। इस एक मंत्र से विश्व की सभी समस्याओ का समाधान हो सकता हे। अहिंसा ही सबसे बड़ा धर्म व कर्म हे ऐसा उनका मानना था। दूसरो को दुख देना और दूसरो के अधिकार छीनना ही हिंसा हे। भगवान महावीर स्वामी ने कभी भी जाति अथवा वर्ण के आधार पर किसी प्रकार के मतभेद को मान्यता नही दी। उन्होंने कहा की जन्म से कोई भी शुद्र नही होता या उच्च नही होता। शुद्र का तात्पर्य है छोटी मानसिकता वाला व्यक्ति। ऐसा व्यक्ति जिसके विचार हीन हो तथा जिसका मन संकुचित हो उसे बुरा कहा गया हे। यदि व्यक्ति ने उच्च कुल में भी जन्म लिया और उसके विचार व आचरण निम्न श्रेणी के हे तो निश्चित वह व्यक्ति शुद्र हे। अहम, अहंकार अपनी आत्मा के आंतरिक भावो को बड़ाने वाला हे। संसार रूपी सागर से पार होने के लिए अहंकार का त्याग आवश्यक हे। भगवान महावीर स्वामी ने साढे बारह वर्ष तक कठोर साधना कर अनंत आंतरिक शक्तियों को प्रकटीकरण किया और उसी प्रकाश में केवल ज्ञान की प्राप्ति कर अपना स्वतंत्र दर्शन दिया। उन्होंने आत्मा के स्वरूप को समझा और आत्मा की यथार्थ उन्नति के सिद्धांतो का प्रतिपादन किया। उनकी वाणी अनंत ज्ञान, अनंत शक्ति में परिपूर्ण वाणी हे। उनके वचन अदभुत हे। उनके अनेक सिद्धांत हे पर मुख्य सिद्धांत कर्मवाद, सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद आदि हे। भगवान महावीर जैन धर्म के तीर्थंकर थे किंतु उनके सिद्धांत व उपदेश केवल मानवता के कल्याण के लिए थे। प्रत्येक व्यक्ति को उनकी शिक्षाओं को आत्मसात कर अपने स्वभाव व आचरण में लाना चाहिए।

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

गौरव सोनी, मंदसौर

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र)

क्रमांक 953/नामांतरण/2025 — मन्दसौर दिनांक 11.04.2025

नामातंरण विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों/ भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	481x7/2025	प्रेम कालोनी	12	मकान नं. 67	स्व. बद्रीदासजी पिता ओंकारदास बैरागी	स्व. बद्रीदासजी पिता ओंकारदास बैरागी	रुकमणीबाई पति स्व. बद्रीदासजी	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
2	482x7/2025	अशोक मार्ग	34	प्लांट नं. 19	ज्योति पति मुकेश काला	ज्योति पति मुकेश काला	राजेश राव पिता केशवराव मोनिका राव पति राजेश राव	विक्रय पत्र
3	483x7/2025	महादेव विहार	22	प्लांट ए-5 उत्तरी भाग	प्रहलाद पिता कस्तुरचंद कुमावत	प्रहलाद पिता कस्तुरचंद कुमावत	मनीषा पति कुंदनमल कुमावत	विक्रय पत्र
4	484x7/2025	महादेव विहार	22	मकान नं. सी-3	कविता पति अनिल जाजपुरिया व आदि	कविता पति अनिल जाजपुरिया व आदि	वंदना पति महेश पालीवाल	विक्रय पत्र
5	485x7/2025	धनगर मोहल्ला	16	मकान नं. 18 का भाग	स्व. भागीरथ पिता स्व. पूनमचंद हाड़ा	स्व. भागीरथ पिता स्व. पूनमचंद हाड़ा	देवेन्द्र पिता स्व. भागीरथ हाडा, रेखा पति ओमप्रकाश पंवार पिता स्व. भागीरथ हाड़ा, संगीता पति दीपकपाल पंवार पिता स्व. भागीरथ हाड़ा, रवि पिता स्व. भागीरथ हाड़ा	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
6	486x7/2025	आनंद विहार एक्स.	5	प्लांट 133	श्रीजी रियल स्टेट नीमच विनोद पिता बापुलाल गर्ग व आदि	श्रीजी रियल स्टेट नीमच विनोद पिता बापुलाल गर्ग व आदि	हर्ष पिता जगदीशचंद्र गुप्ता	विक्रय पत्र
7	487x7/2025	नवकार गोल्ड	4	प्लांट 38	प्रेमचंद पिता सोहनलाल चौरड़िया	रितेश पिता लक्ष्मीनारायण वर्मा	रोहित पिता ललित मिश्रा	विक्रय पत्र
8	488x7/2025	जनता कालोनी	8	मकान नं.ए-86	स्व. इंदिरा दुबे पिता स्व. बंशीलाल राजोरा	स्व. इंदिरा दुबे पिता स्व. बंशीलाल राजोरा	नितीन पिता स्व. बंशीलाल राजोरा	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
9	489x7/2025	राम मोहल्ला	19	मकान नं. 10/68 का भाग	तरुणा कुंवर पति ईश्वर राठौर व आदि	तरुणा कुंवर पति ईश्वर राठौर व आदि	भावना पति दीपक कुमार अग्रवाल	विक्रय पत्र
10	490x7/2025	सिल्वर वैली	21	प्लांट नं. 23	फर्म गुरु कृपा एसोसिएटस द्वारा अमित कुमार पिता रोशनलाल अग्रवाल व आदि	फर्म गुरु कृपा एसोसिएटस द्वारा अमित कुमार पिता रोशनलाल अग्रवाल व आदि	योगेश पिता बेगराज शर्मा .	विक्रय पत्र
11	491x7/2025	अग्रसेन नगर एक्स.	5	मकान नं.21व22	मुरलीधर पिता मदनलाल अग्रवाल	अनुप पिता मुरलीधर अग्रवाल	नफीसा पति इकबाल हुसैन लोखंडवाला	विक्रय पत्र
12	492x7/2025	न्यू आनंद विहार4	5	प्लांट नं.359	मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	मोहन पिता झमटमल मेघनानी व आदि	सपन पिता कैलाश जैन	विक्रय पत्र
13	493x7/2025	जाजपुरिया कालोनी	36	49 सर्वे नं. 1432 का भाग	शंकरलाल पिता पन्नालाल कुमावत	शंकरलाल पिता पन्नालाल कुमावत	गंगाबाई पति सुरेश कुमावत	विक्रय पत्र
14	494x7/2025	म.प्र.कर्म.कालोनी	39	प्लांट नं. 56	म.प्र. गृह निर्माण समिति अध्यक्ष कैलाशचंद्र पिता किशोरीलाल पाठक	रामचंद्र पिता नाथुलाल मालवीय	राजमल पिता केशरीमल रजवानिया	विक्रय पत्र
15	495x7/2025	दत्त मंदिर रोड नई आबादी	13	मकान नं. 60 का भाग, वर्तमान 70 का भाग	मनोहर पिता सोहनलाल जैन व आदि	मनोहर पिता सोहनलाल जैन व आदि	प्रेमकुमारी पति चांदमल पाटनी	विक्रय पत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन हेतु विशेष अभियान कल तक

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार संगठित और असंगठित क्षेत्रों के साथ-साथ गिग/प्लेटफार्म वर्कस श्रमिकों सहित सभी श्रेणियों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी वितरण के लिए एक व्यापक डेटाबेस ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा भी गिग/प्लेटफार्म वर्कस की सामाजिक सुरक्षा लक्षित करते हुए इस श्रेणी के श्रमिकों को संबल योजना से जोडा गया है। भारत सरकार ने केन्द्रीय बजट 2025-26 में गिग/प्लेटफार्म वर्कस को कवर करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की है। इसके अलावा उन्हें ई- श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा और पहचान पत्र प्रदान किये जायेंगे। गिग/प्लेटफार्म वर्कस के ई-श्रम पोर्टल तथा संबल पोर्टल पर पंजीयन हेतु 17 अप्रैल 2025 तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। ई-श्रम का पंजीयन ऑनलाइन लिंक https://register.eshram.gov.in/#/user/platform-worker-registration के माध्यम से स्वयं रजिस्ट्रेशन कर सकते है। इसमें श्रमिक का आधार कार्ड, एक्टिव आधार में लिंक मोबाइल नंबर व बैंक खाते की जानकारी अपडेट कर किया जा सकता है अथवा किसी भी सी.एस.सी. सेन्टर के माध्यम से भी पंजीयन कराया जा सकता है। संबल योजना के पंजीयन हेतु किसी भी एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क से आवेदन किया जा सकता है।

दुग्ध उत्पादन से किसानों की समृद्धि के खुलेंगे नये द्वार

मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और एनडीडीबी का कॉलैबोरेशन एग्रीमेन्ट प्रदेश सरकार की बड़ी उपलब्धि

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एम.पी. स्टेट को-ओपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य हुए इस अनुबंध की अवधि 5 वर्ष होगी, जिसका आपसी सहमति से विस्तार किया जा सकेगा। इसके तहत मुख्य रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे, दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जायेगी और दुग्ध समितियों की संख्या बढाई जायेगी। इन सबके परिणाम स्वरूप दुग्ध उत्पादकों की आय में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में रविवार को हुआ सहकार्यता अनुबंध (कोलैबोरेशन एग्रीमेंट) के निष्पादन से दुग्ध उत्पादन में क्रांति आएगी। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में यह एग्रीमेन्ट प्रदेश सरकार की बडी उपलब्धि है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प पत्र-2023 में प्रदेश में दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं डेयरी किसानों को दूध की सही कीमत दिलाने में मदद करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर खोले जाने और श्वेत क्रांति मिशन के अंतर्गत 2500 करोड के निवेश से प्रत्येक जिले में सांची डेयरी के साथ मिल्क कूलर, मिनी डेयरी प्लांट एवं चिलिंग सेंटर की संख्या में वृद्धि करने का उल्लेख है। इन संकल्पों को पूरा करने में यह अनुबंध महत्वपूर्ण साबित होगा। यह राज्य के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत सहकारी प्रणाली और सांची ब्राण्ड को मजबूत करेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे।

वर्तमान में प्रदेश में दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार है, जिसे बढ़ाकर 9 हजार किया जाएगा। एक दुग्ध समिति लगभग 1 से 3 गांव में दुग्ध संकलन करती है, 9 हजार दुग्ध समितियां के माध्यम से लगभग 18 हजार ग्रामों को कवर किया जा सकेगा। दुग्ध संकलन भी 10.50 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 20 लाख किलोग्राम प्रतिदिन हो जाएगा। इसके अतिरिक्त एनडीडीबी द्वारा दुग्ध उत्पादक संस्थाओं (एमपीओ) के माध्यम से कवर किए गए गांवों को 1390 से बढ़ाकर 2590 किया जाएगा तथा दूध की खरीद को 1.3 लाख से बढ़कर 3.7 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाएगा। साथ ही दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जायेगी। वर्तमान में डेयरी प्लांट की क्षमता 18 लाख लीटर प्रतिदिन है, जिसे बढ़ाकर 30 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाएगा। इस तरह अगले 5 सालों में लगभग 1500 करोड रूपये का निवेश किया जायेगा। दुग्ध उत्पादकों की कुल वार्षिक आय 1700 करोड रूपये से दोगुना कर 3500 करोड रूपये किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

सांची ब्रांड होगा और अधिक सशक्त-राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा प्रदेश के सांची ब्रांड को और सशक्त किया जाएगा। इसे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित ब्रांड के नाम में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। दुग्ध संघ के प्रबंधन एवं संचालन के लिए प्रबंधन शुल्क और नवीन प्रसंस्करण एवं अधोसंरचनाओं के विकास के लिए भी कोई परामर्श शुल्क नहीं लिया जाएगा। आवश्यकता अनुसार तकनीकी एवं प्रबंधन विशेषज्ञों को अपने पैरोल पर दुग्ध संघ में पदस्थ किया जाएगा तथा कार्यरत अमले का हित संरक्षण भी किया जाएगा। दुग्ध सहकारी समितियां से संबद्ध डेयरी किसानों की शिकायतों के निराकरण के लिए शिकायत निवारण प्रणाली भी विकसित की जाएगी।

विद्यालयीन शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए नेतृत्व आवश्यक है -प्राचार्य डा. राठौर

डाइट में लीडर शीप आधारित प्रशिक्षण का द्वितीय चरण प्रारंभ

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट मंदसौर में लीडर शीप आधारित प्रशिक्षण का द्वितीय चरण संस्थान के प्राचार्य डॉ. दिलीप सिंह राठौर मुख्य आतिथ्य में प्रारम्भ हुआ।

प्राचार्य डॉ. राठौर ने बताया कि लीडर शीप आधारित प्रशिक्षण, सीखने और विकास के लिए एक आधार के रूप में विद्यालय की स्थापना करने, शिक्षक की कमजोरियों को मजबूतियो में बदलने, एक जीवंत स्कूल बनाने में कारगर साबित होगा। आपने बताया कि विद्यालयीन शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए नेतृत्व का विकास अति आवश्यक है। प्रशिक्षण के प्रारंभ में संस्थान के प्रशिक्षण प्रभारी श्री आर.डी. जोशी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराते हुए बताया कि उक्त प्रशिक्षण राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमैट) भोपाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण में जिलों के 5 विकासखण्ड के प्राथमिक शालाओं के लगभग 250 प्र.अ. प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। प्रशिक्षणार्थियों हेतु संस्थान के द्वारा व्यापक व्यवस्थाए जैसे एलसीडी, लेपटॉप, प्रीटेस्ट, पोस्ट आदि की व्यवस्थॉए की है। प्रशिक्षण के प्रारंभ में सरस्वती वंदना संस्थान के व्याख्याता डॉ. प्रमोद कुमार सेठिया द्वारा प्रस्तुत की गई। अंत में आभार संस्था के व्याख्याता श्री रामेश्वर डांगी द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर राज्य स्तर से प्रशिक्षित डी. आर. जी. श्री शंभू सिंह चुण्डावत, श्री कैलाश चन्द्र मिमरोट, श्री शिवनारायण मण्डवारिया, श्री अजय कुमार चेलावत, श्री अंकित कुमार राठौर, श्रीमती निर्मला मेघवाल, श्री मनोहरलाल शर्मा, श्री प्रमोद कुणावत, श्री महिपाल सिंह सोनगरा आदि उपस्थित थे।

फास्टेग की नई पॉलीसी...

सिर्फ इतने रुपए में मिलेगा सालभर का पास, 50प्रति. कम हो जाएगा टोल टैक्स

नई दिल्ली, 15 अप्रेल। सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर टोल प्लाजा से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए एक नई टोल नीति तैयार कर रही है, जिसे जल्द ही लागू किया जाएगा। इस नई टोल नीति से आम आदमी को क्या राहत मिलेगी और इससे सरकार को क्या फायदा होगा। नई टोल पॉलिसी टोल टैक्स में लगभग 50 प्रतिशत की राहत प्रदान करेगी और लोगों को 3000 रुपये प्रति वर्ष का पास भी मिलेगा। ये पास राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे और राज्य एक्सप्रेसवे पर मान्य होंगे। इसके लिए अलग से पास लेने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि भुगतान सिर्फ फास्टैग अकाउंट से ही किया जा सकेगा। नई नीति में एक निश्चित समय सीमा के भीतर टोल प्लाजा को हटाने का भी निर्णय लिया गया है।

एक साल का पास 3000 रुपये-सरकार की नई नीति के तहत अगर 3000 रुपये का नियम लागू किया जाता है, तो इसका सबसे बडा फायदा उन लोगों को होगा जो हर महीने एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, आपको टोल प्लाजा पर बार-बार टैक्स भरने और न्यूनतम बैलेंस बनाए रखने से भी राहत मिल सकती है।

सरकार करेगी भरपाई-रियायतदारों और ठेकेदारों के बीच पहले से मौजूद समझौतों में ऐसी कोई सुविधा नहीं थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने उनकी आपत्तियों को दूर करने के लिए नुकसान की भरपाई करने पर सहमति जताई है। इसका मतलब है कि रियायतदार अपने टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों का डिजिटल रिकॉर्ड रखेगा। और वास्तविक वसूली में अंतर की भरपाई एक समझौते के अनुसार सरकार द्वारा की जाएगी।

बाधारहित टोल प्लाजा प्रणाली-नई टोल नीति बाधारहित इलेक्ट्रॉनिक टोलिंग को बढ़ावा देगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे जुडे तीन पायलट प्रोजेक्ट अच्छे नतीजे दे रहे हैं। सटीकता का स्तर लगभग 98त्न तक पहुंच गया है। अगर कोई वाहन टोल प्लाजा से बाहर निकल जाता है और टोल का भुगतान नहीं करता है, तो उससे शुल्क कैसे वसूला जाएगा।

बैंकों को महत्व-इसके लिए बैंकों को ज्यादा अधिकार दिए जाएंगे। वे फास्टटेग सहित अन्य भुगतान विधियों के लिए न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता और अधिक जुर्माना लगा सकते हैं। नई टोल नीति दिल्ली-जयपुर राजमार्ग से शुरू होने की उम्मीद है। यह खतरनाक सामान ले जाने वाले भारी वाहनों और ट्रकों से शुरू होगा। पूरे नेटवर्क का मानचित्रण किया गया है, नई तकनीक - सेंसर और कैमरे लगाए गए हैं।

कंट्रोल की दुकानदार पर राशन लेने वाले गरीबों को मिल रहे धक्के

वार्ड नंबर दो में राशन दुकान के सेल्समेन द्वारा गरीब पात्र हितग्राहियों के राशन में की जा रही गड़बड़ी, दुकान संचालक के खिलाफ कार्यवाही की मांग

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ईकेवायसी होने के बाद भी राशन नही मिल रहा जिसको लेकर पात्र हितग्राही ने सीए हेलप लाईन पर शिकायत दर्ज करवाई गई। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में राशन प्राप्त करने का पात्र हितग्राहीयों को अधिकार है और उचित मात्रा में और उचित गुणवत्ता के खाद्यान्न प्राप्त करने का अधिकार को धत्ता बताते हुए नंदु नाहर सयद से यश बालाजी रोड वार्ड दो स्थित कट्रोल दुकान पर आमजनों के साथ धांधली करने वाले दुकानदार के खिलाफ सीएम हेल्प लाईन पर एक शिकायत दर्ज कर पात्रतानुसार अपने परिवार को राशन दिलवाने एवं राशन डिलर द्वारा संचालित दुकान पर गडबडी करने वाले दुकान संचालक के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग हितग्राही द्वारा की गई हैं।

राशन के नाम पर धोखेबाजी के लंबे समय से कई मामले समाने आते रहे हैं। ऐसे में सरकारों की तमाम कोशिशों के बावजूद कई राशन दुकानों के मालिक सरकारी नियमों को धत्ता बताते हुए अपना घोटाले का काम बिना डर के जारी रखे हुए हैं। ऐसे में सरकार की ओर से जिन जरूरतमंदों के लिए कार्य किया जाता है वह लाभ उन तक न पहुंचकर बीच में ही कुछ अन्य लोगों द्वारा खुद के लाभ के काम में ले लिया जाता है। ऐसा ही मामला मंदसौर नगर के वार्ड क्रमांक 2 मे सामने आया है, सोमवार को पात्र हितग्राही मुबारीक पिता अल्लानुर मंसुरी अपने परिवार का राशन लेने गया तो दुकान संचालक द्वारा अभद्रता की गई और राशन देने के बजाय धक्के दिये और राशन नही दिया गया जिसको लेकर हितग्राही द्वारा सीएम हेल्प लाईन पर शिकायत 31862588 दर्ज की गई। शिकायत मे हितग्रही ने बताया की राशन की केवायसी कम्पलेट होने के बाद भी हमारा राशन कहा जा रहा है दुकानदार के खिलाफ उचित कार्यवाही करे। क्षेत्र के कई पात्र हितग्राही उक्त दुकान संचालक से परेशन होकर संयुक्त रूप से बताया की देश में एक बडी आबादी गरीब लोगों की है। इन लोगों को जीवन में गुजर बसर करने में कई तरह की आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पडता है। ऐसे में गरीब लोगों को राशन उपलब्ध कराया जावे। गौर करने वाली बात है कि अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं, जिसमें राशन बाटने वाला सरकारी दुकानदार राशन देने में गडबडी करता है। कई बार तो गरीब लोगों को राशन भी नही देता हैए जिला प्रशासन वार्ड क्रमांक 2 नाहर सयद यशबालाजी रोड सिथत कट्रोल दुकान संचालक के खिलाफ उचित कार्यवाही कर गरीब पात्र हितग्राही को राशन दिलवाने की कार्यवाही करे।

भारी वाहनों को नगर में किया जाए पूर्णत: प्रतिबंधित

पिपलियामंडी, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। लग्नसरा के चलते बाजार में ट्रैफिक बढ रह रहा है। बाजार में खरीददारी करने आने वालों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। नगर में मुख्य मार्ग अतिक्रमण की चपेट में है। भारी वाहन भी नगर से होकर गुजर रहे है, जिससे ओर ज्यादा परेशानी आ रही है। पार्षद प्रतिनिधि भूपेन्द्र महावर ने सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों का नगर में प्रवेश प्रतिबंधित करने की मांग जिला पुलिस अधीक्षक मंदसौर, अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगढ, पिपलिया थाना प्रभारी व मुख्य नगर पालिका अधिकारी से की। महावर ने आगे बताया कि पिछले दिनों भी नगर में भारी वाहनों की वजह से लवली चौराह, सेंट्रल बैंक के पास, ब्रिज पर, गांधी चौराहे पर दुर्घटना घटित हो चुकी है। दुर्घटना में घायल आज भी महंगे इलाज उदयपुर, अहमदाबाद में करवा रहे है। एक बालिका तो अपनी जान भी गवा चुकी है। इसलिए लग्सरा के दिनों में भारी वाहनों को नए बायपास गुडभेली बडी से बरखेडा पंथ की ओर निकला जाए। इधर सीएमओ प्रवीण सेन का कहना है मुख्य मार्ग से नाले पर किया गया अतिक्रमण शीघ्र हटाया जाएगा।

जनसुनवाई के दौरान 42 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 42 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। आवेदक बालकृष्ण घाटिया निवासी सीतामऊद्वारा अर्जित अवकाश की राशी का भुगतान करने के लिए आवेदन किया गया। जिस पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने जिला शिक्षा अधिकारी को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। आवेदक पवनबाई निवासी चौथखेडी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी योजनान्तर्गत राशि नहीं मिलने पर आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिस पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने एसएलआर को निर्देश दिये की जांच करें। आवेदक राहुल भाटी द्वारा छात्रवृत्ति की राशी प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया गया। जिस पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने आदिम जाति कल्याण विभाग अधिकारी को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। धमनार निवासी कमलाबाई द्वारा संबल योजना की राशी प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया गया। जिस पर अपर कलेक्टर ने जनपद सीईओ को आवेदन की जांच कर राशि भुगतान करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान गौचर एवं मंदिर की भूमि पर कब्जा हटाने, पीएम किसान सम्मान निधि,

वेतन नहीं मिलने, मकान का रिकार्ड मौके अनुसार दर्ज नहीं होने, खाद्यान पर्ची, आर्थिक सहायता एवं नामांतरण आदि तरह तरह के आवेदन आए।

सीईओ ने जनसुनवाई में 65 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जिला पंचायत सी.ई.ओ.श्री अमन वैष्णव ने जनसुनवाई करते हुए 65 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में जवासा के ललीत कुमार, पटेल प्लाजा के सामने नीमच के ऋषभ वीरवाल, स्की म नं.36 ए नीमच की श्रीमती मनीषा शर्मा, न.पा.नीमच के नाथुलाल नागर, अठाना के प्रेमचंद, रूपपुरा के पुखराज बैरागी, स्कीम नं.9 नीमच केंट की खोरूनिशा, रतनगढ की रेखा दास, रातीतलाई के बगदीराम, पिपल्याहाडा के देवशकिशन, नया बाजार नीमच के रूकमणी बाई, कालूखेडा के रामलाल, अठाना के रामकुमार ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह जनसुनवाई में रेतपुरा के कन्हैयालाल धाकड, मनासा के केदार कीर, हामाखेडी के देवकरण, भगोरी के लक्ष्मण गायरी, जमुनियाकलां की मांगीबाई, भगवानपुरा चौराहा मनासा की अनिता चावला, खडावदा के मांगीलाल गायरी, राजस्व कॉलोनी नीमच के शोभागमल, जवाहर नगर नीमच के महेन्द्र, अरनिया बोराना के रामप्रहलाद ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर, समस्याएं सुनाई।

महाविद्यालय में बाबा साहब की जयन्ती मनाई

पिपलियामंडी, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय में संविधान निर्माता, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई। मुख्य वक्ता डॉ आर के श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक भिन्नता वाले देश को सबसे अधिक संगठित करने का कार्य बाबा साहब ने किया। आज का भारत उनके संकल्पों का भारत हैं। हमारा संविधान उनके त्याग और तपस्या का परिणाम है। उनके कार्यों र्से हर भारतीय प्रभावित है, इसलिए वह सबके है। सह वक्ता प्रो. राधेश्याम कटारा ने कहा बाबा साहब की सामाजिक समानता की सोच इतनी प्रभावशाली थी कि एक जंगल में रहने वाला व्यक्ति जो इस बाहरी दुनिया से अपरिचित था, उसको भी अपने अधिकार प्रदान किए।

ढाबला गुर्जर में तालाब का गहरीकरण किया

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत ढाबला गुर्जर में तालाब का गहरी करण किया गया। इस दौरान जनपद सदस्य, सरपंच प्रतिनिधि, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं ग्रामीण जन मौजूद थे। सभी के सामूहिक प्रयास से तालाब का गहरी करण किया गया। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरचनाओं के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार का कार्य लगातार जारी है।

ग्रीष्म ऋतु के मौसम में धूप की तपन (लू) से रहे सावधान

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चौहान द्वारा जानकारी देते हुवे बताया कि वर्तमान में ग्रीष्म ऋतु के मौसम के दौरान बढती धूप की तपन (लू) से सावधानी एवं शरीर को मौसमी बीमारी से बचाव हेतु आमजन को निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

क्या करें- घर से बाहर निकलने से पहले भरपेट पानी अवश्य पियें।धूप में जाते समय सूती कपडे पहने और सिर और कान को सूती कपडे से ढक कर रखें।धूप में घूमने वाले व्यक्ति नमक, शक्करयुक्त कोई तरल पदार्थ या ओ.आर.एस. घोल का अधिक सेवन करें। नींबू पानी, आम की केरी का पना, शिकंजी या मट्ठा अधिक से अधिक पियें।भरपेट भोजन करके ही बाहर निकलें। हमेशा ताजा भोजन, फल और सब्जियों खायें।यथा संभव धूप में अधिक न निकले।

क्या न करें- धूप में खाली पेट न निकलें। शरीर में पानी की कमी न होने दें।बुखार में शरीर का तापमान न बढने दें, ठंडे पानी की पट्टी रखें।कूलर या कंडीशनर से धूप में एकदम न निकलें।मिर्च-मसाले युक्त भोजन न करें। बासी भोजन, बासी फल, बासी सलाद न खायें।

लू लगने पर - व्यक्ति को फौरन छायादार जगह में लिटायें।व्यक्ति के कपडे ढील करें।उसे पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल (ओ.आर.एस.), कच्चें आम का पानी पिलायें।ताप घटाने के लिये, व्यक्ति के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रखें।लू लगने पर नजदीकि स्वास्थ्य संस्था मे चिकित्सक से उपचार प्राप्त करे।

दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई

पिपलियामंडी, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जैन संतों के साथ सिंगोली गांव के पास कछाला ग्राम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण पीड़ा दायक घटना जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप पिपलिया मंडी नारायणगढ ने कड़ी निंदा की नीमच जिले के सिंगोली गांव के मात्र 6 किलोमीटर दूर कछाला गांव में जैन संतों के साथ हुई घटना की जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप पिपलिया मंडी नारायणगढ कड़ी निंदा करते हुए साधु साध्वी की सुरक्षा की मांग की जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप अध्यक्ष दिनेश कुमार बंबोरिया सचिव प्रवीण सांखला स्नेह हिंगड ने बताया कि यह घटना निंदनीय व पीड़ा दायक है संतो के साथ घटी इस घटना से पूरा हिंदू एवं सकल जैन समाज स्तंभ है इस घटना ने पूरे हिंदू व जैन समाज को झक़झोर कर रख दिया जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप के पदाधिकारीयों ने कहा कि यह केवल एक संप्रदाय पर नहीं बल्कि पूरे भारतीय संस्कृति की सहिष्णता संयम और आध्यात्मिक गरिमा पर सीधा आघात है जो असहनीय है जैन संत अहिंसा शांति व तप और संयम के प्रतीक होते हैं और सदैव समाज को अहिंसा परमो धर्म की प्रेरणा देते है ऐसे संतो के साथ इस प्रकार की हिंसक वह मानवीय घटना होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है बंबोरिया सांखला हिंगड व संघ के सभी पदाधिकारी कड़ी निंदा की और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए सख्त से सख्त पूछताछ की जाए क्योंकि (राजस्थान के अनुमंडल) से संबंध तो नहीं है

वृत्त स्तर पर न्यायिक शिविर आज

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। विद्युत विभाग अधीक्षणयंत्री द्वारा बताया गया कि विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण हेतु वृत्त स्तर पर न्यायिक शिविर 16 अप्रेल को आयोजित होगा। शिविर श्रम कल्याण केंद्र, चंबल कॉलोनी, मंदसौर में दोपहर 03:00 बजे से 05:00 बजे तक एक न्यायिक शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में मंदसौर, मल्हारगढ, गरोठ एवं सीतामऊसंभागों के विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा प्रस्तुत लिखित परिवादों की सुनवाई फोरम सदस्यों की उपस्थिति में की जाएगी।शिकायत पंजीयन हेतु आवेदन पत्र उपभोक्ताओं को कार्यालयों में नि:शुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं,शिकायतें 16 अप्रैल 2025 को शिविर स्थल पर भी स्वीकार की जाएंगी।संबंधित सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी लंबित शिकायतों का निराकरण हेतु समय पर उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस मंदसौर की रासेयो इकाई द्वारा डा. आम्बेडकर जयंती पर आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 15 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शास. स्नात. महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर परिचर्चा संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सरस्वती पूजन, दीप दीपन और बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. के. आर. सूर्यवंशी ने कहा कि बाबा साहब ने विषम परिस्थितियों में शिक्षा ग्रहण की और अपना संपूर्ण जीवन भारतवर्ष पर न्योछावर कर दिया। अध्यक्षता कर रहे हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जे.एल. आर्य ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर किसी एक वर्ग विशेष के नहीं है, बल्कि समूचे विश्व की विभूति है।

संगोष्ठी में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने कहा कि बाबा साहब पूरे विश्व के वीर सपूत हैं। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब ने बड़ी विषम परिस्थितियों में पढ़ाई कर 18 डिग्री हासिल की है। राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. प्रहलाद भट्ट ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने मजदूरों, वंचितों, शोषितों और महिलाओं के लिए संविधान में विशेष प्रावधान प्रदान किए, जिससे हर वर्ग का समाज में प्रतिनिधित्व हो सके। इस अवसर पर प्रो. दशरथ आर्य, डॉ. प्रीति श्रीवास्तव एवं प्रो. गजेन्द्र आर्य ने परिचर्चा में भाग लेकर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। संचालन स्वयंसेवक राहुल शर्मा ने किया। आभार रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिलकुमार आर्य ने माना। इस अवसर पर एन.एस.एस. के स्वयंसेवक मौजूद थे।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 156/2025 दिनांक 15.04.2025

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा बाबूलाल पिता रुघनाथजी चमार, निवासी ग्राम पिपल्या रायसिंह, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर से आवासीय मकान नं. 145, वार्ड नं. 07, पटवारी हल्का नं. 79 पर दर्ज होकर पता-ग्राम पिपल्या रायसिंह, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र एमपी 249402022ए1306828, दिनांक 24.03.2022 से मेरे पक्षकार भागुबाई पति बाबूलाल चमार, निवासी-ग्राम पिपल्या रायसिंह, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मल्हारगढ़ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-मोतीलाल-विश्राम, पश्चिम में-आम रास्ता, उत्तर में-कमलाबाई पति गिरधारी, दक्षिण में-प्रकाश पिता मगन, पैमाईश रकबा-900 वर्ग फीट या 83.61वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in